भजन

तर्ज– हो माही वे माही मैनूं

हो रूहो सुनियो
मेरी प्यारी प्यारी रूहो,पिया मेरे बड़े हैं मेहरबां
रूह को जगाने आए, बनके सरकार मेहरबां
मेरी रूह का ईमान, मेरी जिंद मेरी जां
सरकार पिया, मेरा ईश्क ईमान
तेरे बिन न कोई मेरा

1 वाणी की गुंजार सारी दुनिया में की,तीनों सृष्ट को सुध तीन विध दी–2
टीका वाणी करके नूर कुंजी दी,नूर तारतम क्या हैं अब सब ये हैं जाने
मेरी रूह का ईमान,,

2 दर्द आत्म का कोई सीखे इनसे, गम कई खाए,उफ की न इन्होंने–2
झूठ से पर्दा इन्होंने हटाया,ष्ण नही, धनी प्राणनाथ है हमारा
मेरी,,

3 रूह का पकड़ तालू जाम दिया,चितवन से दिए युगल चरण पिया–2
मूल मिलावा निजघर अपना,इक पिया तूं ही तूं है रूह येही जाने
मेरी,,,,

4 सेवा कैसे करते हैं सुन्दरसाथ की,बतलाया प्रेम ही सरकार श्रीजी–2
खुद कष्ट उठा, करो साथ सेवा,करके दिखाओ पहले रहनी तो मानें
मेरी,,,